झारखण्ड सरकार
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

झारखंड की स्वास्थ्य सेवा में मिल का पत्थर साबित होगा 'ई–हॉस्पिटल' : निधि खरे

रांची, 15 मई 2018: ई हॉस्पिटल इंप्लिमेंटेशन समीक्षात्मक बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव निधि खरे ने झारखंड में जल्द से जल्द 'ई–हॉस्पिटल' शुरू करने का निर्देश दिया है। प्रधान सचिव निधि खरे ने कहा कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सिस्टम (ओआरएस) सेवा की जानकारी दूर दराज के ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए अधिक से अधिक आईईसी क्रियाकलाप आयोजित किये जायें। उन्होंने कहा कि प्रचार प्रसार के माध्यम से लोग यह जान सकेंगे कि घर पर बैठकर मोबाइल या कंप्युटर के माध्यम से कोई मारीज चिकित्सक से परामर्श के लिए अप्वाइंटमेंट ले सकता है। प्रधान सचिव कार्यालय कक्ष में आयोजित बैठक में रिम्स के निदेशक डॉ आर के श्रीवास्तव ने प्रधान सचिव को जानकारी दी कि रिम्स में ई हॉस्पिटल सेवा शुरू करने के लिए 17 कंप्युटर खरीदे गये हैं। उन्होंने बताया कि नैशनल इनफारमेटिव सिस्टम (एनआईसी) द्वारा सूचीबद्ध एजेंसी कार्य संचालन के लिए डाटा इंट्री ऑपरेटर की नियुक्ति करेगी। समीक्षा बैठक में प्रधान सचिव निधि खरे को जानकारी दी गयी कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सिस्टम (ओआरएस) रिम्स के अलावा एमजीएम जमशेदपुर, पीएमसीएच धनबाद और जिला अस्पताल रांची में व्यवस्थित तरीके से शुरू किया जायेगा। बैठक में प्रधान सचिव को जानकारी दी गयी कि प्रचार प्रसार की जानकारी के अभाव में गुमला जिला में लोग ओआरएस स्वास्थ्य सुविधा का ज्यादा लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। श्रीमती निधि खरे ने कहा कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सिस्टम का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार किया जाये। इस समीक्षा बैठक में एनआईसी के एसआईओ शाहिद अहमद के अलावा एनएचएम के निदेशक वित्त नरसिंह खलखो और एनएचएम के सिस्टम एनलिस्ट अवनिन्द्र कुमार उपस्थित थे।

'ई हॉस्पिटल' सेवा?

ई हॉस्पिटल सेवा स्वास्थ्य सुविधा देने वाला एक कम्प्युटर एप्लिकेशन है। जो एक अस्पताल के सभी क्रियाकलापों के संचालन में सहायता करता है पूरे देश में 224 ई हास्पिटल संचालित किये जा रहे हैं। ये सभी हास्पिटल क्लाउड सर्वर से जुड़े होते हैं। यानी इन इन अस्पतालों में जो भी सेवाये दी जा रही हैं उसका डाटा एक जगह एकत्र हो जाता है। ई हॉस्पिटल के अंतगर्त किसी अस्पताल के लिए लैब सेवायें, अस्पताल के मानव संसाधन का डाटा तथा अस्पताल के मेडिकल रिकार्ड का प्रबंधन करना बहुत सरल हो जाता है।

ई हॉस्पिटल सेवा कैसे काम करता है?

ई हॉस्पिटल का संचालन करने वाले सभी अस्पताल एक क्लाउड सर्वर से जुड़े होते हैं। इससे सभी अस्पतालों का डाटा एक सर्वर में इकट्ठा होता है। यानी इस सर्वर में स्टोर होने वाली रिपोर्ट कोई भी दूसरा उपोगकर्ता (युजर) देखकर उचित परामर्श दे सकता है। वहीं सभी अस्पतालों का डाटा एक जगह इकट्ठा होने से अस्पताल को किस उपकरण या सामान की आवश्यकता है इसकी जानकारी मिल जाती है।

झारखंड में 'ई हॉस्पिटल' सेवा का प्रारूपः

झारखंड सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी संकल्प के अनुसार राज्य भर के स्वास्थ्य केंद्रों में 'ई हॉस्पिटल' सेवा तीन चरणों में शुरू किये जायेंगे। पहले चरण में राज्य के सभी 23 जिला अस्पतालों में यह सेवा शुरू कर दी जायेगी। वहीं पहले चरण में ही राज्य के 13 अनुमंडलीय अस्पतालों में भी यह सेवा शुरू कर दी जायेगी साथ ही साथ दो मेडिकल महाविद्यालयों पीएमसीएच, धनबाद और एमजीएमसीएच जमशेदपुर में भी यह सेवा शुरू कर दी जायेगी। दूसरे चरण में सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और तीसरे चरण में सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में यह सुविधा दी जाने लगेगी।

'ई हॉस्पिटल' के अंतगर्त दी जानेवाली सेवायेंः

मरीज का रजिस्ट्रेशन, रेडियोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकार्ड, लाउंड्री सर्विस, इमरजेंसी रजिस्ट्रेशन, ब्लड बैंक मैनेजमेंट, जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रेशन, टेलीमेडिसिन सुविधा, बिलिंग और अकाउंट सेवायें, पैथ लैब, ऑपरेशन थियेटर मैनेजमेंट, फार्मेसी मैनेटमेंट।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सिस्टम (ओआरएस) क्या है?

जैसे किसी मरीज को अस्पताल में चिकित्सक से परामर्श के लिए समय लेना है तो वो मरीज ऑनलाइन पोर्टल में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सिस्टम (ओआरएस) आप्शन में जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकता है। रजिस्ट्रेशन करवाते ही एक ऑनलाइन पर्ची जेनरेट होती है जिसमें दर्शाया जाता है कि मरीज को किस तारीख को अस्पताल में किस चिकित्सक से किस समय परामर्श मिलेगा। ऐसी ही एक पर्ची हॉस्पिटल मैनेजमेंट को उपलब्ध हो जाती है। इस तरह मरीज और अस्पताल को पूर्व में ही सूचना मिल जाती है और मरीज को अस्पताल में लाइन में खड़े होकर पर्ची कटाने की जरूरत नहीं होती। यहां एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि इस पोर्टल के माध्यम से आपातकालीन स्थिमि में मरीज का तुरंत रजिस्ट्रेशन किया जाता है और उसे आपातकालीन सेवा दी जाती है। ई हॉस्पिटल सेवा के अंतगर्त अस्पताल की इनवेंट्री, स्टॉक और अन्य सेवाओं की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जा सकती है।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग